Human Chain i n Ranchi on 16 October 2020, Friday Sarjana Chawk to Samlong

दैनिक भास्कर, राँची, शनिवार, 17 October 2020, Pg. 6

रांची, शनिवार 17 अक्टूबर 2020 Pg 06

धर्म.समाज.संस्था

कैथोलिक समाज...संत जेवियर्स कॉलेज से कांटाटोली तक शांति मार्च

मानव श्रृंखला बनाई, फादर स्टेन स्वामी की रिहाई के लिए की प्रार्थना

सिटी रिपोर्टर | रांची

कैथोलिक समाज के कांफ्रेंस ऑफ रिलीजियस ऑफ इंडिया एंड झारखंड एंड अंडमान (सीआरआई और जेएचएएएन) एयर रांची के लोगों द्वारा शुक्रवार को फादर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी के विरोध में मानव श्रृंखला और प्रार्थना सभा की गई। शाम चार बजे से संत जेवियर्स कॉलेज के गेट से कांटाटोली चौक तक लोगों ने स्टेन स्वामी नक्सली नहीं है, समाजसेवी है, उन्हें जेल में बंद मत करो...जैसे कई नारे शांतिपूर्ण तरीके से तख्तियों द्वारा व्यक्त किया। इसके साथ स्टेन स्वामी को जल्द रिहा करने की मांग की गई। फादर जोसफ मरियानुस कुजूर ने आयोजित प्रार्थना सभा का मुख्य बिंदु बताते हुए लोगों के मन में उत्पन्न सवालों का जवाब दिया। प्रार्थना सभा मे उन्होंने बताया कि फादर स्टेन स्वामी कौन हैं? उन्हें एनआईए द्वारा क्यों गिरफ्तार किया गया है? कैसे गिरफ्तार किया गया है? साथ ही उन्होंने भीमा कोरेगांव मामले का भी विस्तार से बताया। फादर कुजूर ने कहा कि फादर स्वामी खुद जन्म से एक आदिवासी नहीं थे। उन्होंने अपने आप को उनके लिए ढाल दिया। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। हम सब को उनके जैसे गरीब, दलितों, आदिवासियों की आवाज बनना है।

हाथों में तख्तियां लिए आर्चबिशप भी हुए शामिल

फादर ने विश्वासियों के सवालों का दिया जवाब

सभा में रांची महाधर्मप्रांत के आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो, सहायक बिशप थियोडोर मास्करेंहस, झामुमो महिला मोर्चा की अध्यक्ष महुआ माजी सहित कई पुरोहित, सिस्टर्स, महिलाएं, युवा, आदि शामिल हुए।

क्या है मामला : दो सौ साल पहले एक जनवरी, 1818 में दलितों के सहयोग से अंग्रेजों की सेना ने पेशवा आर्मी पर अपनी जीत हासिल की थी। 1928 में डॉ. भीमराव ने उस विजय को याद करने के लिए गए थे। उसी के बाद हर वर्ष दलित उत्सव मनाते हैं। इसी दौरान एक की हत्या हो गई, तब से मामला शुरू हुआ।

दैनिक जागरण, राँची, शनिवार, 17 October 2020, Pg. 8

स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी के विरोध में मानव शृंखला

स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को सर्जना चौक से लेकर कांटा टोली चौक बनाई गई मानव शृंखला में स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर शामिल महिलाएं • जागरण

जासं, रांची : स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को मानव शृंखला बनाई गई। अलबर्ट एक्का चौक से लेकर पुरुलिया रोड, कांटाटोली चौक के पास एक घंटे के इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ईसाई समाज के महिला-पुरुष, छात्र जुटे और इस मानव श्रृंखला में शामिल हुए। विरोध करने वाले अपने हाथों में स्टेन स्वामी के समर्थन में स्लोगन लिखे प्लेकार्ड, बैनर, पोस्टर लेकर मानव शृंखला में शामिल हुए। शाम 5.30 बजे संत मैरी गिरिजाघर में प्रार्थना सभा हुई। प्रार्थना सभा में फादर अजीत कुमार खेस ने स्टेन स्वामी को वंचित एवं आदिवासियों की लड़ाई लड़ने वाला सच्चा सिपाही बताया। ईश्वर से उनकी रिहाई की कामना की। सहायक बिशप थिओडोर मस्कारेंहास के आशीर्वचन के साथ प्रार्थना समाप्त हुई। इसमें करीब 50 लोग उपस्थित हुए।

सिटी

प्रभात खबर, राँची, शनिवार, 17 October 2020, Pg. 2

रांची, शनिवार
17.10.2020

स्टेन स्वामी के समर्थन में सर्जना चौक से कांटाटोली चौक तक बनायी मानव शृंखला

गरीबों के लिए आवाज उठानेवाले को गिरफ्तार किया गया : फेलिक्स टोप्पो

संवाददाता, रांची

चर्च के सदस्यों ने भीमा कोरेगांव मामले में एनआइए द्वारा गिरफ्तार किये गये फादर स्टेन स्वामी को समर्थन देते हुए सर्जना चौक से कांटाटोली चौक तक मानव श्रृंखला बनायी. इसमें पोस्टर, बैनर व मोमबत्ती के साथ सैकड़ों फादर्स, ब्रदर्स, सिस्टर्स व आम मसीही शामिल हुए.

संत मरिया महागिरजाघर के सामने मानव श्रृंखला में शामिल आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने कहा कि फादर स्टेन स्वामी बहुत लंबे अर्से से गरीबों व शोषितों को न्याय दिलाने के लिए प्रयास करते रहे हैं. उनका काम साधारण नहीं है. वे बुद्धिजीवी हैं और शोध के आधार पर ठोस आंकड़ों के साथ सरकार और प्रशासन से सवाल करते थे. वे जेलों में अकारण बंद आदिवासी और दलित विचाराधीन कैदियों के लिए न्याय की मांग करते थे. वे ऐसे लोगों के लिए आवाज उठाते थे. इसलिए उन्हें गिरफ्तार किया गया.

स्टेन स्वामी बेगुनाह हैं, उन्हें जबरदस्ती ले जाया गया : आग्जीलरी बिशप, थियोडोर मास्करेन्हास ने कहा कि फादर स्टेन स्वामी पिछले 60 सालों से आदिवासियों, दलितों और गरीबों के हितों की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं. हम उनके अधिकार की मांग कर रहे हैं. जिस तरह से उनकी गिरफ्तारी हुई और उन्हें जेल में डाला गया, हम उसका विरोध करते हैं. उनके लिए हम सभी कानूनी उपाय करेंगे. हमें पूरा विश्वास है कि फादर बेगुनाह हैं और उन्हें जबरदस्ती ले जाया गया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ठीक कहा है कि यह गिरफ्तारी गरीबों की आवाज को बंद करने के लिए हुई है. उर्सुलाइन धर्म समाज की प्रोविंशियल सिस्टर शुचिता शालिनी खलखो ने कहा कि फादर स्टेन स्वामी कोई अपराधी नहीं हैं. हम उन्हें न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाते रहेंगे. मानव श्रृंखला के बाद संत मरिया महागिरजाघर में फादर स्टेन के लिए विशेष प्रार्थना की गयी.

मानव शृंखला में ये हुए शामिल : मानव श्रृंखला में फादर जोसफ मरियानुस कुजूर, महुआ माजी, फादर रोशन तिड़ू, अलबिनुस तिग्गा, कुलदीप तिर्की, सीपीआइ के उमेश नजीर, अजय सिंह, फरजाना फारुकी, आदिवासी-मूलवासी अस्तित्व रक्षा मंच की दयामनी बारला, कांग्रेस प्रवक्ता प्रभाकर तिर्की, पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की, दामोदर तुरी आदि.

मानव शृंखला में शामिल आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो, आग्जीलरी बिशप, थियोडोर मास्करेन्हास, रतन तिर्की, दयामनी बारला व अन्य लोग.

गिरफ्तारी के विरोध में आज न्याय मार्च

रांची. वाम दल, राष्ट्रीय विपक्षी दल व अन्य जन संगठनों के प्रतिनिधि स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी के विरोध में 17 अक्तूबर को जिला स्कूल मैदान से राजभवन तक न्याय मार्च निकालेंगे. मार्च दिन के 11.30 बजे शुरू होगा. राजभवन के समक्ष पहुंच कर मार्च सभा में बदल जायेगा. सभा को विभिन्न राजनैतिक और सामाजिक संगठनों के नेता संबोधित करेंगे. यह जानकारी झारखंड जनाधिकार महासभा की अलोका कुजूर, दयामनी बारला, भाकपा (माले) के भुवनेश्वर केवट, कांग्रेस प्रवक्ता प्रभाकर तिर्की, पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की आदि ने दी है. उक्त लोगों ने बताया कि 12 अक्तूबर से 'स्टैंड फॉर स्टेन स्वामी' के तहत आयोजित पांच दिवसीय विरोध कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ.

अदालत पर भरोसा करना चाहिए : भाजपा

रांची. भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि चर्च को अपने धार्मिक कार्य की सीमा तक ही रहना चाहिए. अदालती कार्रवाई में हस्तक्षेप करने से सीधे तौर पर बचना चाहिए. उन्होंने कहा कि चर्च स्टेन स्वामी के मामले में जिस तरह से सामने आया है, उससे प्रतीत होता है कि उसे भारत के संविधान और अदालती कार्रवाई पर भरोसा नहीं है. यह मामला अदालत में विचाराधीन है.

हैदराबा
स्पेशल

वरीय संवाददाता, र

ट्रेन संख्या 07005/
रक्सौल-हैदराबाद स
स्पेशल ट्रेन चलेगी.
हैदराबाद-रक्सौल
प्रत्येक गुरुवार को 2
05, 12, 19 व 26
ट्रिप चलेगी. हैदराब
11.15 बजे, रायपु
12.35 बजे व प्रस
बिलासपुर आगमन
प्रस्थान 2.45 बजे,
शाम 7.25 बजे व
रांची आगमन रात 1
11.00 बजे, मुरी
बजे प्रस्थान 12.20
सिटी आगमन रात
1.50 बजे, धन
3.45 बजे व प्रस्था
आगमन दोपहर 1
1.25 बजे एवं र
4.50 बजे होगा.
ट्रेन संख्या
हैदराबाद फेस्टिव
रविवार को दिनां
08,15, 22 एवं
06 ट्रिप चलेगी
सुबह 3.25 बजे,

खबर मन्त्र, राँची, शनिवार, 17 October 2020, Pg. 4

रांची कैथोलिक चर्च के धर्म गुरु, धर्म बहनें और विश्वासी हुए शामिल, रिहा करने की कर रहे हैं मांग

स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी का विरोध, बनायी मानव शृंखला

खबर मन्त्र संवाददाता

स्टेन स्वामी की रिहाई की मांग को लेकर मानव शृंखला बनाते रांची कैथोलिक चर्च के विश्वासी।

रांची। सामाजिक एवं मानव अधिकार कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी के विरोध में रांची कैथोलिक चर्च के विश्वासियों ने मानव शृंखला बनाकर विरोध प्रकट किया। यह मानव शृंखला सर्जना चौक से लेकर डॉ कामिल बुल्के पथ, डंगराटोली चौक होते कांटाटोली चौक और सामलोंग तक बनायी गयी। विगत दिनों स्टेन स्वामी को एनआइए की टीम ने गिरफ्तार किया था। उसके बाद से उनकी रिहाई की मांग की जा रही है। उनपर भीमा कोरेगांव नरसंहार घटना और नक्सलवाद से संबंध होने आरोप लगा है, हालांकि स्टेन स्वामी इसे साजिश बताते हुए किसी तरह का संबंध होने से इंकार किया है। मसीही समुदाय स्टेन स्वामी के रिहाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि उम्रदराज व्यक्ति को जो हाशिए की आवाज को उठाते हैं, आदिवासियों और पिछड़ों के संवैधानिक हक अधिकार की बात करते हैं, उन्हें साजिश के तहत एनआइए की टीम ने गिरफ्तार कर मुंबई जेल में बंद किया है। कोविड-19 का ख्याल रखते हुए शांतिपूर्ण तरीकों से मानव शृंखला बनाकर मोमबत्तियां भी जलायी गयीं। इसमें काफी संख्या में धर्म बंधु शामिल होकर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी का प्रतिकार किया। सड़क के दोनों किनारों पर तकरीबन डेढ़ घंटों तक खड़े रहे। इस दौरान सबके हाथ में बनैर और बैज भी था। बनैर में लिखा हुआ था- वी डिमांड जस्टिस, इसाई और मिशनरियों को देशद्रोह कहना बंद करो, भीमा कोरेगांव तो बहाना असली मकसद तो दमन को बढ़ाना है, फादर स्टेन स्वामी नक्सली नहीं समाज सेवी हैं, उन्हें जेल में बंद मत करो, रिहा करो रिहा करो आदि। मानव शृंखला के बाद संत मरिया गिरजाघर में प्रार्थना की गयी, जिसमें कोविड-19 की गाइडलाइन का अनुपालन करते हुए 50 से भी कम लोग शामिल हुए।

मौके पर फादर जोसेफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि फादर स्टेन स्वामी निर्दोष हैं। उन्होंने अपने उपर लगे आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने यह भी कहा है कि उनके कंप्यूटर, लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरण के साथ छेड़छाड़ की गयी है। एक प्लान के तहत फंसाया गया है। वे रिसर्च बेस्ड बुनियादी सवाल उठाते थे। पांचवीं अनुसूची लागू करने, पेसा के प्रावधानों के तहत ग्राम सभा को मजबूत करने, फॉरेस्ट एक्ट 2006, लैंड एमेंडमेंट, गैर मजरुआ जमीन, झारखंड के विभिन्न जेलों में बंद निर्दोष कैदियों पर रिसर्च करके सरकार से सवाल करते थे। उसी का परिणाम है कि वे जेल में बंद हैं। फादर मरियानुस कुजूर ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि न्याय मिलेगा। बहुत जल्द वे रिहा होंगे। इसमें रांची महाधर्मप्रांत के आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो, सहायक बिशप थियोदोर मसकरेंहास, एक्सआइएसएस के निदेशक फादर जोसेफ मरियानुस कुजूर, प्रोविंसियल सिस्टर सुचिता शालिनी खलखो, प्रोविंसियल

गरीबों की आवाज दबाने के लिए स्टेन स्वामी की हुई गिरफ्तारी : बिशप

सहायक बिशप थियोदोर मसकरेंहस ने कहा कि फादर स्टेन स्वामी विगत 60 सालों से झारखंड में रहकर आदिवासियों, दलितों, गरीबों की रक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं। उनके हक और अधिकार के लिए काम कर रहे हैं। वे इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्हें रात में गिरफ्तार किया गया है। फादर बेगुनाह और निर्दोष हैं। उनकी गिरफ्तारी गरीबों की आवाज को बंद करना है।

फादर अजीत खेस्स, उमेश नजीर सहित विभिन्न धर्म समाज के पुरोहित, ब्रदर्स और धर्मबहनें शामिल हुईं। झारखंड क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन के युवाओं के अलावे सीपीआईएम का पूरा समर्थन रहा। वहीं जेएमएम नेत्री डॉ महुआ माजी भी मानव शृंखला में शामिल हुईं।

डीवीसी का बकाया ... केंद्र कर रहा परेशान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने केंद्र सरकार द्वारा डीवीसी के बकाया के नाम पर 1417 करोड़ रुपये काट लिये जाने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस फैसले को टकराव बढ़ाने वाला कदम करार दिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोरनाथ शाहदेव और डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने बताया कि डीवीसी की कई छोटी-बड़ी परियोजनाएं झारखंड के कोयला और पानी पर निर्भर है। इन परियोजनाओं से झारखंड की एक बड़ी आबादी को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। बावजूद राष्ट्र की मजबूती के लिए झारखंडवासियों ने त्याग करने का काम किया। परंतु अब डीवीसी सारी हदों को पार कर रहा है। कभी डीवीसी की ओर से बिजली काट दी जा रही है, तो कभी राज्य के कई हिस्सों को अंधेरा में डूबोने की धमकी जा रही है।

आलोक कुमार दूबे ने कहा कि डीवीसी की इसी मनमानी को रोकने के लिए राज्य सरकार की ओर से संचारण व्यवस्था को मजबूत कर

**सन्मार्ग,
राँची,
शनिवार,
17 OCTOBER 2020,
Page 2.**

स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी से ईसाई समुदाय में आक्रोश, किया प्रदर्शन

मानव श्रृंखला बनाया मोमबत्ती जलाकर जताया विरोध

संवाददाता

रांची : ईसाई समुदाय के लोग फादर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी का लगातार विरोध व प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को भी राजधानी में ईसाई समुदाय के लोग सड़क पर उतरे और प्रदर्शन किया। समुदाय के लोगों ने मानव श्रृंखला बनाया और मोमबत्ती जलाकर एनआईए की कार्रवाई पर विरोध जताया। प्रदर्शन करने वालों ने कहा कि 83 साल के बुर्जुग को इस तरह के झूठे मामले में फंसाना अन्याय है। एनआईए ने 8 अक्टूबर को नामकुम इलाके से स्टेन स्वामी को गिरफ्तार किया था। उनकी गिरफ्तारी महाराष्ट्र भीमा कोरेगांव हिंसा 2018 में की गयी है। इस मामले में देश भर से 16 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए शनिवार को राजभवन तक न्याय मार्च भी करने की तैयारी है। इसमें विभिन्न संगठनों के लोग शामिल होंगे। लोगों का कहना है कि स्टेन स्वामी आदिवासियों एवं मूलवासियों के हक में आवाज बुलंद करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने विस्थापन जैसे मुद्दों पर काफी काम किया है। विभिन्न मुद्दों को ले मुखर होने की सजा सरकार उन्हें दे रही है। स्टेन स्वामी पूरी तरह से निर्दोष उन्हें जल्द से जल्द रिहा किया जाये।

The Times of India, Ranchi, 17 October 2020, Pg. 4

Ruling alliance, Left parties to march seeking Stan's release

Jaideep Deogharia & Tapas Biswas | TNN

Fr. Stan, a Jesuit father from Kerala, was arrested by the NIA late on October 8 from his residence in Ranchi on charges of having links with the banned CPI (Maoists)

Ranchi: The ruling parties' members, along with some representatives from Left parties and civil society groups, will hold a protest march from Birsa Samadhi Sthal to Raj Bhavan on Saturday demanding the release of civil rights activist Father Stan Swamy, who was arrested by the NIA earlier this month in connection with the Bhima-Koregaon case.

This follows after the five-day-long protest by some civil society outfits in Birsa Samadhi Sthal demanding Stan's release came to an end on Friday. Addressing the media at Birsa Samadhi Sthal, the activists, congregating under the banner 'Stand for Swamy', announced to carry on with their agitation in different forms till he was released. They even said they will join the protest march to Raj Bhavan.

One of the members, Aloka Kujur, said they want the state government to appeal to the Centre for his release. "The political parties have expressed their solidarity and we are happy to know that they are going to join the protest march. However, we also want them to send a missive to the Centre on behalf of the state government requesting for his release," she said.

Meanwhile, on Friday, thousands of men, women, children, priests and nuns from various Catholic congregations formed a 5-km-long human chain and protested the Jesuit priest's arrest. Wearing masks, maintaining social distancing norms and carrying placards, the protesters demanded the 83-year-old activist's release.

Prominent amongst the protesters were archbishop of Ranchi Felix Toppo and auxiliary bishop of Ranchi Theodore Mascarenhas. While Toppo held a placard that read "We demand justice", Mascarenhas held a poster that read "We stand for the man who fought for tribal rights".

The human chain stretched from Albert Ekka Chowk via Sarjana Chowk, Purulia Road, Dangratoli to Kantatoli.

Later, a special church service was held at St Mary's Cathedral at Purulia Road to pray for justice and his well-being. Speaking at the service, Mascarenhas, said, "Over the past few days we have been deeply saddened by the illegal arrest of a man who has always stood up for tribal and Dalit rights. We are also extremely unhappy with the way in which Father Stan was arrested by NIA. We are here to pray for him and to beseech justice for him. We believe that God, the fountain of mercy, would listen to us."

Fr. Stan, a Jesuit father from Kerala, was arrested by the NIA late on October 8 from his residence in Ranchi on charges of having links with banned CPI (Maoists). Before being taken to Mumbai in order to produce him before a special NIA court, Swamy had released a video message denying the charges levelled by NIA sleuths against him, He also accused the central agency of planting fabricated evidence on his laptop.

Following his arrest, Swamy was allegedly not produced before any local court nor was the local police taken into confidence. Soon after his arrest, CM Hemant Soren had tweeted expressing shock over the way he was arrested.

हिन्दुस्तान, राँची, शनिवार, 17 October 2020, Pg. 10

...साल में तैयार होगा

आवास के रिकॉर्ड होंगे पारदर्शी

झारखंड राज्य आवास बोर्ड की नियमावली में तीन महत्वपूर्ण संशोधन किया गया। 1. सारे रिकॉर्ड का कंप्यूटरीकरण होगा। आवंटन प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जाएगी। 2. पुराने जर्जर मकान को तोड़ कर नया बना सकेगा आवास बोर्ड 3. ले आउट के आधार बिल्डर की तरह आवंटन कर सकेगा आवास बोर्ड

अन्य फैसले

- ईडब्ल्यूएस के लिए 40 प्रतिशत अंक : झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग या सरकार द्वारा प्राधिकृत अन्य चयन प्राधिकार द्वारा संचालित प्रतियोगिता परीक्षाओं में झारखंड राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए न्यूनतम अहर्ता अंक 40 प्रतिशत निर्धारित किए जाने के प्रस्ताव पर घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।
- ग्रामीण सड़कों के निर्माण में तेजी ग्रामीण विकास विभाग की बन रही 58 ग्रामीण सड़कों को जल्द बनाने के लिए नाबार्ड से 97.62 करोड़ लोन लिया जाएगा।
- नरीमन और सिंघवी की फीस तय सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार का पक्ष रखने के लिए फली एस नरीमन को 20 लाख रुपये और डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी को 15 लाख रुपये हरेक अपियरेंस के लिए फीस तय की गई।
- शेड्यूल ऑफ रेट : राज्य स्तरीय शेड्यूल ऑफ रेट निर्धारित करने के लिए एसओपी गठित करने की स्वीकृति दी गई।
- राज्य के प्रतीक चिन्ह को स्वीकृति दी गई
- रांची के नगड़ी 2.09 एकड़ भूमि 8.18 करोड़ में सेंट्रल एक्साइज एंड सर्विस टैक्स भारत सरकार के कार्यालय भवन के लिए दी गई

शुक्रवार को रांची में फादर स्टेन स्वामी की रिहाई की मांग को लेकर ईसाई मिशनरी से जुड़े लोगों ने कैंडल लेकर मानव शृंखला बनाया। • हिन्दुस्तान

फादर स्टेन की गिरफ्तारी के विरोध में मानव शृंखला

रांची | वरीय संवाददाता

फादर स्टेन स्वामी की एनआइए द्वारा गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को शहर के विभिन्न प्रमुख चौक पर रांची काथलिक कलीसिया की ओर से मौन धारण कर मानव शृंखला बनाया गया। इसमें बड़ी संख्या में शामिल मसीही समाज के लोगों ने मानव शृंखला बना कर उनकी जल्द रिहाई की मांग की।

सड़क के दोनों छोर पर खड़े लोग हाथों में तख्तियां पकड़े हुए थे। जिसमें आदिवासियों की आवाज फादर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी को दुभार्ग्यपूर्ण एवं विद्वेषपूर्ण कार्रवाई बताया गया। इससे पूर्व शहर के मेन रोड में अलबर्ट एक्का चौक, सर्जना चौक, डॉ कामिल बुल्के पथ में डंगरा टोली चौक और कांटाटोली चौक में समाज से जुड़े लोग इकट्ठा हुए। इसके बाद मानव शृंखला बनायी गयी। संगठन की ओर से शाम 5.30 बजे संत मैरी कैथेड्रल में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसमें उनकी जल्द रिहाई की प्रार्थना की गयी।

न्याय मार्च आज

फादर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी के विरोध में 17 अक्तूबर को न्याय मार्च निकाला जाएगा। मार्च जिला स्कूल मैदान से सुबह 11.30 बजे शुरू होकर राजभवन पहुंचेगा। राजभवन पर सभा की जाएगी। शुक्रवार को स्टैंड फॉर स्टेन स्वामी की ओर से प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी गयी। फादर स्टेन स्वामी की रिहाई के लिए 12 अक्तूबर से आंदोलन किया जा रहा है। इसके तहत बिरसा समाधि स्थल से आयोजन की शुरूआत हुई थी। न्याय मार्च में विभिन्न जन संगठनों, वाम दल, झामुमो, कांग्रेस व राजद के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

मानव शृंखला कार्यक्रम में आर्च बिशप फेलिक्स टोप्पो, अग्जिलियारी बिशप थिओडोर मस्कराहन्स, फादर सुशील टोप्पो, फादर जोसेफ मर्यानुस कुजूर, दयामनी बरला, सुषमा बिरुली, रतन तिर्की, प्रभाकर तिर्की, कुलदीप तिर्की, दीपक तिर्की, डॉ महुआ माजी, दीपा मिंज आदि शामिलथे।

5,000 join human chain for Swamy

ANIMESH BISOEE

Jamshedpur: More than 5,000 people formed a 4km human chain in Jharkhand capital Ranchi on Friday to express solidarity with octogenarian Jesuit priest and tribal rights activist Father Stan Swamy, who has been arrested and jailed for alleged Maoist links.

The peaceful human chain mainly along Purulia Road that began from Albert Ekka Chowk and culminated at Kantatoli Chowk saw Christians of various denominations carrying placards demanding release of Father Swamy.

The priest is currently under quarantine at Taloja Central Prison in Mumbai.

Ranchi Archbishop Felix Toppo along with auxiliary Bishop of Ranchi Archdiocese, Theodore Mascarenhas, took part in the human chain.

Official spokesperson for Jesuits of central zone, Father Peter Martin, said that the Christian community from different parts of Ranchi and outskirts obeyed social distance and other protocols for Covid-19 pandemic to attend the silent human chain around 4pm.

"The participants adhered to protocols for Covid-19 pandemic during the peaceful and silent human chain protest which began around 4pm and continued till 4pm.

"At 5.30pm, only 50 participants took part in the prayer service at Ranchi Cathedral along Purulia Road for the release of Father Stan Swamy," said Father Martin.

Meanwhile, members of people's organisations who have been sitting on dharna near the Birsa Munda memorial at Kokar in Ranchi since October 11, said that after Opposition MPs and chief ministers of Opposition-ruled states, even a BJP legislator from Meghalaya has come out in support of Fr Swamy.

"We have been informed that Sanbor Shullai, a BJP legislator from South Shillong constituency in Meghalaya, has written to Prime Minister Narendra Modi seeking his intervention for the release of 83-year-old Fr Stan Swamy. This shows even ruling party MLAs are now questioning the arrest," said former Tribal Advisory Committee member Ratan Tirkey, who is a key functionary of the Jharkhand Janadhikar Mahasabha, a conglomeration of human rights groups.

Incidentally, Shullai in his letter dated October 14, wanted the Jesuit priest to be released 'unconditionally' in consideration of his age and health related condition.

"Father Swamy is under judicial custody till October 23 in Mumbai and is under quarantine at a hospital inside the jail. The arrest of the Jesuit priest who has dedicated his life with a mission to uplift the tribals of Jharkhand has triggered insecurity among the minority Christian community throughout the country," Shullai said in his letter, adding that the NIA move was "highly questionable and condemnable".

Advocate and tribal rights activist Aloka Kujur said that several organisations under the aegis of "Stand for Stan Swamy" would undertake a "*nyayya* march" (justice rally) from Zilla School to Raj Bhavan in Ranchi on Saturday.

Several speakers will address the rally near Raj Bhavan in the state capital before a delegation submits a memorandum to Jharkhand governor Draupadi Murmu demanding the release of Father Swamy.

Members of Jharkhand Jantantrik Mahasabha, a coalition of tribal organisations, also formed a silent human chain near Sakchi square in Jamshedpur on Friday demanding the release of Father Swamy.

A human chain in Jamshedpur on Friday to protest Stan Swamy's arrest. Picture by Bhola Prasad

Bengal logs 3,771 Covid cases and 61 deaths

MEGHDEEP BHATTACHARYYA

Calcutta: Bengal on Friday logged the highest number of Covid-19 cases at 3,771, resetting the maximum daily count of patients for the 12th time in October. Bengal's total cases went past 3.13 lakh, which include nearly 2.75 lakh recoveries and 5,851 deaths.

The state logged 3,194 recoveries and 61 deaths on Friday.

The state again reported a dip in the recovery rate on a day Union health minister Harsh Vardhan said another "high level" central team would be despatched to Bengal, apparently in the wake of a

http://epaper.telegraphindia.com/imageview_343842_115423523_4_undefined_17-10-2020_6_i_1_sf.html

https://www.telegraphindia.com/jharkhand/church-plans-5km-long-human-chain-for-stan-swamy/cid/1794828

5,000 join human chain for Swamy

ANIMESH BISOEE

Jamshedpur: More than 5,000 people formed a 4km human chain in Jharkhand capital Ranchi on Friday to express solidarity with octogenarian Jesuit priest and tribal rights activist Father Stan Swamy, who has been arrested and jailed for alleged Maoist links.

The peaceful human chain mainly along Purulia Road began from Albert Ekka Chowk and culminated at Kantatoli Chowk and saw Christians of various denominations showing their solidarity by carrying placards demanding release of Fr Swamy, who is currently under quarantine at Taloja Central Prison in Mumbai. Ranchi Archbishop Felix Toppo along with auxiliary Bishop of Ranchi Archdiocese, Theodore Mascarenhas, took part in the human chain.

Official spokesperson for Jesuits of central zone, Father Peter Martin, said that Christian faithful from different parts of Ranchi and outskirts, adhering to social distance and other protocols for Covid-19 pandemic, attended the silent human chain around 4pm.

"The participants adhered to protocols for Covid-19 pandemic during the peaceful and silent human chain protest which began around 4pm and continued till 5pm.

"At 5.30pm, only 50 participants took part in the prayer service at Ranchi Cathedral along Purulia Road for the release of Father Stan Swamy," said Fr Martin.

Meanwhile, members of people's organisations who have been sitting on dharna near the Birsa Munda memorial at Kokar in Ranchi since October 11 said that after Opposition MPs and chief ministers of Opposition-ruled states, even a BJP legislator from Meghalaya has come out in support of Fr Swamy.

"We have been informed that Sanbor Shullai, a BJP legislator from South Shillong constituency in Meghalaya has written to Prime Minister Narendra Modi seeking his intervention for the release of 83-year-old Fr Stan Swamy. This shows even ruling party MLAs are now questioning the arrest," said former Tribal Advisory Committee member Ratan Tirkey, who is a key functionary of the Jharkhand Janadhikar Mahasabha, a conglomeration of human rights groups.

Incidentally, Shullai in his letter dated October 14, wanted the Jesuit priest to be released 'unconditionally' in consideration of his age and health-related condition.

"Father Swamy is under judicial custody till October 23 in Mumbai and is under quarantine at a hospital inside the jail. The arrest of the Jesuit priest who has dedicated his life with a mission to uplift the tribals of Jharkhand has triggered insecurity among the minority Christian community throughout the country," Shullai's said in his letter, adding that the NIA move was "highly questionable and condemnable".

Meanwhile, advocate and tribal rights activist Aloka Kujur said that several organisations under the aegis of "Stand for Stan Swamy" would undertake a "*nyayya* march" (justice rally) from Zilla School to Raj Bhavan in Ranchi on Saturday. Several speakers will address the rally near the Raj Bhavan before a delegation submits a memorandum to Jharkhand governor Draupadi Murmu demanding the release of Fr Swamy.

Members of Jharkhand Jantantrik Mahasabha, a coalition of tribal organisations, also formed a silent human chain near Sakchi square in Jamshedpur on Friday demanding the release of Fr Swamy.

Archbishop Felix Toppo along with Bishop Theodore Mascarenhas and others form a human chain in Ranchi on Friday in protest against the arrest of Stan Swamy. Picture by Manob Chowdhury

A human chain in Ranchi on Friday. Picture by Manob Chowdhury

Human chains in Jamshedpur and Ranchi on Friday to protest Stan Swamy's arrest. Pictures by Bhola Prasad and Manob Chowdhury

Catholics protest in Ranchi against the arrest of Fr Stan swamy

https://www.nationalheraldindia.com/india/catholics-protest-in-ranchi-against-the-arrest-of-fr-stan-swamy

Ranchi Church followers form human chain for release of Fr. Stan Swamy

https://insightonlinenews.in/ranchi-church-followers-form-human-chain-for-release-of-fr-stan/

National Herald

Catholics protest in Ranchi against the arrest of Fr Stan swamy

https://www.nationalheraldindia.com/india/catholics-protest-in-ranchi-against-the-arrest-of-fr-stan-swamy

Telegraph

ttindia-

http://epaper.telegraphindia.com/imageview_343842_115423523_4_undefined_17-10-2020_6_i_1_sf.html